एआई एंड एमर्जिंग टेक्नोलॉजीस विषय पर हुई परिचर्चा में बोले स्टीफन एजेल

2030 तक भारत के पास आईटी सेक्टर को दस खरब डॉलर तक बढ़ाने का अवसर

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 13% सीधे सूचना प्रौद्योगिकी सेवा क्षेत्र से आ रहा है, जिससे भारत के पास 2030 तक इस क्षेत्र को एक ट्रिलियन (दस खरब) डॉलर तक बढ़ाने का मौका है। एआई के इस्तेमाल से भारतीय अर्थव्यवस्था में अगले एक दशक में 1.5 ट्रिलियन डॉलर तक का और इजाफा हो सकता है। इससे 23 लाख नए रोजगार सृजित हो सकते हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था में 25 फीसदी वाली डिजिटल इंडस्ट्री एक दशक में 50 फीसदी तक हो जाएगी। यह बातें एआई एक्सपर्ट स्टीफन एजेल ने एक कार्यक्रम में कहीं।

उद्यमियों को एआई तकनीक से रूबरू कराने के लिए लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन और एसोचैम यूपी-यूके की ओर से गोमतीनगर स्थित दफ्तर में एआई एंड एमर्जिंग टेक्नोलॉजीस विषय पर परिचर्चा हुई। विशेष आमंत्रित अतिथि वाशिंगटन डीसी के सूचना प्रौद्योगिकी एवं नवाचार फाउंडेशन (आईटीआईएफ) के उपाध्यक्ष स्टीफन एजेल ने दुनियाभर में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाली नीतियों पर जोर दिया। मुख्य अतिथि व विशेष सचिव आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग नेहा जैन ने एआई की बारीकियां व यूपी सरकार की पहल पर प्रकाश डाला।

एआई एंड एमर्जिंग टेक्नोलॉजीस विषय पर परिचर्चा में बोलते स्टीफन एजेल। -संवाद

संयुक्त राज्य अमेरिका के दूतावास में पब्लिक डिप्लोमेसी विभाग की सलाहकार सुपर्णा मुखर्जी ने डिजिटल प्रौद्योगिकी और नवाचार में भारत-अमेरिका सहयोग पर जोर दिया। पीएनबीआईआईटी के पूर्व शैक्षणिक निदेशक प्रमोद दीक्षित, आईआईआईटी लखनऊ के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. दीपक सिंह, नैसकॉम की क्षेत्रीय परिषद के अध्यक्ष रामिश जैदी ने एआई अपनाने पर जोर दिया। संचालन कनाडा की एसएवी कंसल्टिंग इंक के सीईओ और प्रबंध निदेशक वैभव वैद्य ने किया।

स्टीफन से सवाल करता एक युवा। -संवाद